VIII मुद्रा प्रबंध

वर्ष के दौरान मुद्रा प्रबंध का ज़ोर स्वच्छ बैंकनोटों की पर्याप्त मात्रा संचलन में उपलब्ध कराने पर रहा। इस वर्ष संचलनगत बैंकनोटों में औसत से अधिक वृद्धि देखी गई, जो मुख्यतः कोविड-19 महामारी और इसके लंबे समय तक बने रहने के कारण जनता द्वारा सावधानीवश नकदी जमा करने के कारण हुई। रिज़र्व बैंक ने मुद्रा प्रबंध की आधार संरचना के उन्नयन की दिशा में अपने प्रयास जारी रखे।

VIII.1 रिज़र्व बैंक का मुद्रा प्रबंध कार्य अर्थव्यवस्था में विभिन्न मूल्यवर्गों के स्वच्छ बैंकनोटों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लक्ष्य के अनुसार चलता है। वर्ष के दौरान जब कोविड-19 महामारी के आरंभ के साथ-साथ अर्थव्यवस्था में नकदी की एहतियाती मांग में वृद्धि हुई, रिज़र्व बैंक ने बैंकनोटों की बढ़ती मांग को पूरा करने का प्रयास किया। यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास किए गए कि करेंसी चेस्टों (सीसी) में बैंकनोटों के सभी मूल्यवर्गों का पर्याप्त भंडार रहे, ताकि देश भर में नए नोटों की समय पर आपूर्ति बनाई रखी जा सके।

VIII.2 इस पृष्ठभूमि में, अध्याय के शेष अंश को पांच भागों में व्यवस्थित किया गया है। इसके अगले भाग में वर्ष के दौरान संचलनगत मुद्रा में हुई महत्त्वपूर्ण घटनाओं को प्रस्तुत किया गया है। भाग 3 में 2020-21 की कार्ययोजना के कार्यान्वयन की स्थिति को कवर किया गया है और भाग 4 में भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड,जो रिज़र्व बैंक की पूर्णतः स्वाधिकृत सहायक कंपनी है, के कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। भाग 5 में 2021-22 की कार्ययोजना बताई गई है,जबकि अंतिम भाग में निष्कर्ष दिए गए हैं।

2. संचलनगत मुद्रा संबंधी घटनाक्रम

VIII.3 संचलनगत मुद्रा (सीआईसी) में बैंकनोट और सिक्के आते हैं। वर्तमान में, रिज़र्व बैंक ₹2, ₹5, ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200, ₹500 और ₹2,000 मूल्यवर्ग के नोट जारी करता है । संचलनगत सिक्कों में 50 पैसे और ₹1, ₹2, ₹5, ₹10 और ₹20 मूल्यवर्ग के सिक्के शामिल हैं ।

बैंकनोट

VIII.4 वर्ष 2020-21 के दौरान संचलनगत बैंकनोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 2019-20 के दौरान क्रमशः 14.7 प्रतिशत और 6.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। मूल्यवर्ग के संदर्भ में, कुल संचलनगत बैंकनोटों में ₹500 और ₹2000 के बैंकनोटों का प्रतिशत, 31 मार्च 2020 के 83.4 प्रतिशत की तुलना में 31 मार्च 2021 की स्थिति के अनुसार 85.7 प्रतिशत रहा। मात्रा के संदर्भ में, ₹500 के मूल्यवर्ग का भाग सबसे अधिक रहा, जो 31 मार्च 2021 के अनुसार कुल संचलनगत बैंकनोटों का 31.1प्रतिशत रहा और इसके बाद ₹10 मूल्यवर्ग के बैंकनोट रहे, जिनका प्रतिशत 23.6 था (सारणी VIII.1)। बैंकनोटों की कुल मात्रा में ₹500 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों के हिस्से में जहाँ बढ़त का रुख रहा तथा 31 मार्च 2019 के 19.8 प्रतिशत से 31 मार्च 2020 को 25.4 प्रतिशत और 31 मार्च 2021 को 31.1 प्रतिशत हो गया, वहीं कुल मात्रा में ₹10 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों के प्रतिशत में 31 मार्च 2019 को 28.7 प्रतिशत से 31 मार्च 2020 को 26.2 प्रतिशत और 31 मार्च 2021 को 23.6 प्रतिशत के साथ कमी का रुख़ देखा गया।

सारणी VIII.1: संचलनगत बैंक नोट (मार्च -अंत)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)			मूल्य (करोड़ ₹ में)		
	2019	2020	2021	2019	2020	2021
1	2	3	4	5	6	7
2 और 5	1,13,025	1,12,203	1,11,728	4,372	4,331	4,307
	(10.4)	(9.7)	(9.0)	(0.2)	(0.2)	(0.2)
10	3,12,598	3,04,022	2,93,681	31,260	30,402	29,368
	(28.7)	(26.2)	(23.6)	(1.5)	(1.3)	(1.0)
20	87,127	82,994	90,579	17,425	16,599	18,116
	(8.0)	(7.2)	(7.3)	(0.8)	(0.7)	(0.6)
50	86,015	86,009	87,524	43,007	43,004	43,762
	(7.9)	(7.4)	(7.0)	(2.0)	(1.8)	(1.5)
100	2,00,738	1,99,021	1,90,555	2,00,738	1,99,021	1,90,555
	(18.5)	(17.2)	(15.3)	(9.5)	(8.2)	(6.7)
200	40,005	53,646	58,304	80,010	1,07,293	1,16,608
	(3.7)	(4.6)	(4.7)	(3.8)	(4.4)	(4.1)
500	2,15,176	2,94,475	3,86,790	10,75,881	14,72,373	19,33,951
	(19.8)	(25.4)	(31.1)	(51.0)	(60.8)	(68.4)
2,000	32,910	27,398	24,510	6,58,199	5,47,952	4,90,195
	(3.0)	(2.4)	(2.0)	(31.2)	(22.6)	(17.3)
कुल	**10,87,594**	**11,59,768**	**12,43,671**	**21,10,892**	**24,20,975**	**28,26,863**

नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़ें कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं। संभव है कि पूर्णांकन के कारण उनका कुल जोड़ 100 न हो।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

सिक्के

VIII.5 वर्ष 2020-21 में संचलनगत सिक्कों का कुल मूल्य 2.1 प्रतिशत बढ़ा जबकि कुल मात्रा केवल 1.0 प्रतिशत बढ़ी । 31 मार्च 2021 की स्थिति के अनुसार, ₹1, ₹2 और ₹5 के सिक्के मिलकर संचलनगत सिक्कों की कुल मात्रा का 83.8 प्रतिशत रहे, जबकि मूल्य के अनुसार इन मूल्यवर्गों का हिस्सा 77.6 प्रतिशत रहा (सारणी VIII.2)।

सारणी VIII.2: संचलनगत सिक्के (मार्च -अंत)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (संख्या लाख में)			मूल्य (करोड़ ₹ में)		
	2019	2020	2021	2019	2020	2021
1	2	3	4	5	6	7
छोटे सिक्के	1,47,880	1,47,880	1,47,880	700	700	700
	(12.3)	(12.1)	(12.0)	(2.7)	(2.7)	(2.6)
1	5,03,260	5,08,878	5,12,597	5,033	5,089	5,126
	(41.8)	(41.8)	(41.7)	(19.5)	(19.3)	(19.1)
2	3,31,540	3,35,158	3,37,863	6,631	6,703	6,757
	(27.6)	(27.5)	(27.5)	(25.6)	(25.5)	(25.1)
5	1,71,510	1,75,992	1,79,360	8,575	8,800	8,968
	(14.2)	(14.4)	(14.6)	(33.2)	(33.5)	(33.4)
10	49,050	50,130	51,391	4,905	5,013	5,139
	(4.1)	(4.1)	(4.2)	(19.0)	(19.1)	(19.1)
20	-	-	896	-	-	179
	-	-	(0.1)	-	-	(0.7)
कुल	**12,03,240**	**12,18,038**	**12,29,988**	**25,844**	**26,305**	**26,870**

-: लागू नहीं
नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़ें कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं। संभव है कि पूर्णांकन के कारण उनका कुल जोड़ 100 न हो।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

मुद्रा प्रबंध की आधारभूत संरचना

VIII.6 मुद्रा (बैंकनोट व सिक्के दोनों) के निर्गमन और इसके प्रबंधन का कार्य रिज़र्व बैंक देश में भर में फैले अपने निर्गम कार्यालयों, करेंसी चेस्टों और और छोटे सिक्कों के डिपो के माध्यम से करता है। 31 मार्च 2021 की स्थिति के अनुसार, करेंसी चेस्ट नेटवर्क में भारतीय स्टेट बैंक का हिस्सा सबसे ज्यादा (55.0 प्रतिशत) रहा (सारणी VIII.3)।

मुद्रा की मांग और आपूर्ति

VIII.7 वर्ष 2020-21 के लिए बैंकनोटों की मांग एक वर्ष पहले की तुलना में 9.7 प्रतिशत कम थी। वर्ष 2020-21 में बैंकनोटों की आपूर्ति में भी पिछले वर्ष की तुलना में 0.3 प्रतिशत की मामूली कमी रही (सारणी VIII.4)।

VIII.8 वर्ष 2020-21 में सिक्कों की मांग और आपूर्ति अपने पिछले वर्ष के स्तरों से क्रमश: 11.8 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत कम रही (सारणी VIII.5)।

सारणी VIII.3: करेंसी चेस्ट और छोटे सिक्कों का डिपो (मार्च 2021 की समाप्ति पर)

वर्ग	करेंसी चेस्ट की संख्या	छोटे सिक्कों के डिपो की संख्या
1	2	3
भारतीय स्टेट बैंक	1,679	1,432
राष्ट्रीयकृत बैंक	1,151	886
निजी क्षेत्र के बैंक	210	173
सहकारी बैंक	5	5
विदेशी बैंक	4	3
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	4	4
भारतीय रिज़र्व बैंक	1	1
कुल	**3,054**	**2,504**

स्रोत: आरबीआई।

गंदे नोटों का निपटान

VIII.9 गंदे नोटों के निपटान पर शुरु में कोविड-19 महामारी का प्रभाव पड़ा, जिसे वर्ष 2020-21 के उत्तरार्ध में तेज किया गया। प्रयासों के बावजूद, पूरे वर्ष भर में गंदे नोटों के निपटान में पिछले

सारणी VIII.4: बैंकनोटों की मांग और बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआईएल द्वारा आपूर्ति (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2018-19		2019-20		2020-21	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
5	-	-	-	60	-	-
10	39,200	42,892	14,700	14,702	2,840	2,846
20	460	2,096	12,500	13,390	48,750	38,520
50	42,330	40,401	24,000	23,431	14,000	13,887
100	63,300	64,075	33,000	32,708	40,000	37,270
200	26,150	27,301	20,500	19,588	15,000	15,106
500	1,16,920	1,14,679	1,46,300	1,19,996	1,06,000	1,15,672
2,000	470	467	-	-	-	-
कुल	**2,88,830**	**2,91,911**	**2,51,000**	**2,23,875**	**2,26,590**	**2,23,301**

-: लागू नहीं

एसपीएमसीआईएल: भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड

नोट: संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम में दिए गए आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.5: सिक्कों की मांग और टकसालों (मिंट) द्वारा आपूर्ति (अप्रैल से मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग	2018-19		2019-20		2020-21	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	20,000	25,550	1,000	1,093	1,000	1,000
2	10,000	12,860	8,000	7,993	9,500	6,718
5	11,320	6,779	10,000	9,984	11,000	10,995
10	20,000	16,132	12,000	11,565	5,500	5,852
20	-	-	3,000	458	3,000	5,061
कुल	**61,320**	**61,321**	**34,000**	**31,093**	**30,000**	**29,626**

-: लागू नहीं

स्रोत: आरबीआई।

वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशत की गिरावट देखी गई (सारणी VIII.6)।

जाली बैंकनोट

VIII.10 वर्ष 2020-21 के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में पकड़े गए नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) में से 3.9 प्रतिशत रिज़र्व बैंक में और 96.1 प्रतिशत अन्य बैंकों द्वारा पकड़े गए (सारणी VIII.7)।

सारणी VIII.6: गंदे नोटों का निपटान (अप्रैल-मार्च)

(संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग	2018-19	2019-20	2020-21
1	2	3	4
2000	6	1,768	4,548
1000	22	0	0
500	154	1,645	5,909
200	1	318	1,186
100	37,945	44,793	42,433
50	8,352	19,070	12,738
20	11,626	21,948	10,325
10	65,239	55,744	21,999
5 तक	591	1,244	564
कुल	**1,23,935**	**1,46,530**	**99,702**

नोट: संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम में दिए गए आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.7: पकड़े गए जाली नोटों की संख्या (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या)

वर्ष	रिज़र्व बैंक में पकड़े गए	अन्य बैंकों में पकड़े गए	कुल
1	2	3	4
2018-19	17,781	2,99,603	3,17,384
	(5.6)	(94.4)	(100.0)
2019-20	13,530	2,83,165	2,96,695
	(4.6)	(95.4)	(100.0)
2020-21	8,107	2,00,518	2,08,625
	(3.9)	(96.1)	(100.0)

नोट: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़ें कुल मात्रा/ मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।

2. डेटा में पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा पकड़े गए जाली नोट शामिल नहीं हैं।

स्रोत: आरबीआई।

VIII.11 गत वर्ष की तुलना में, पकड़े गए जाली नोटों में ₹500 [महात्मा गाँधी (नई) शृंखला] के मूल्य वर्ग में 31.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तथापि अन्य मूल्यवर्गों में पकड़े गए जाली नोटों में कमी आई (सारणी VIII.8)।

प्रतिभूति मुद्रण पर व्यय

VIII.12 गत वर्ष के ₹4,377.8 करोड़ (जुलाई 2019 से जून 2020) की तुलना में 1 जुलाई 2020 से 31 मार्च 2021 तक प्रतिभूति मुद्रण पर कुल व्यय ₹4,012.1 करोड़ था।

सारणी VIII.8: बैंकिंग प्रणाली में पकड़े गए जाली नोट मूल्यवर्ग के अनुसार (अप्रैल -मार्च)

(नोटों की संख्या)

मूल्यवर्ग (₹)	2018-19	2019-20	2020-21
1	2	3	4
2 और 5	-	22	9
10	345	844	304
20	818	510	267
50	36,875	47,454	24,802
100	2,21,218	1,68,739	1,10,736
200	12,728	31,969	24,245
500 (महात्मा गांधी शृंखला)	971	11	9
500 [महात्मा गांधी (नई) शृंखला]	21,865	30,054	39,453
1,000	717	72	2
2,000	21,847	17,020	8,798
कुल	**3,17,384**	**2,96,695**	**2,08,625**

-: शून्य
स्रोत: आरबीआई।

3. वर्ष 2020-21 की कार्ययोजना: कार्यान्वयन की स्थिति

वर्ष 2020-21 के लिए निर्धारित लक्ष्य

VIII.13 गत वर्ष, विभाग ने निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए थे:

- बैंकनोट संचालन (हैंडलिंग) प्रक्रिया का स्वचालन (उत्कर्ष)[पैराVIII.14]
  - o आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर मुद्रा प्रबंध की आधारभूत संरचना व प्रक्रियाओं का उन्नयन
- बैंकनोटों के लिए माइक्रोसाइट (पैरा VIII.15)
  - o एक माइक्रोसाइट डिजाइन और विकसित करने की प्रक्रिया जारी रखना जिस पर बैंकनोटों की विशेषताओं पर मूलभूत जानकारी तथा मुद्रा प्रबंध संबंधी जानकारी रहे – सरल व कुशल नेवीगेशन युक्त विभिन्न मल्टीमीडिया के जरिये बैंकनोटों पर जानकारी प्रस्तुत की जाएगी ;
  - o समझाने वाले वीडियो और एनिमेशन के माध्यम से बैंकनोटों की डिज़ाइन व सुरक्षा विशेषताओं का 360-डिग्री दृश्य (व्यू) प्रस्तुत करना;
  - o बैंकनोट बदलने (एक्सचेंज)/नोट रिफ़ंड नियमावली पर सूचनाप्रद सामग्री: और
  - o संवादात्मक (इंटरैक्टिव) गेम और पोस्टर।

लक्ष्यों के कार्यान्वयन की स्थिति

बैंकनोट संचालन (हैंडलिंग) प्रक्रिया का स्वचालन

VIII.14 मुद्रा प्रबंध की आधारभूत संरचना व प्रक्रियाओं के उन्नयन के लिए रिज़र्व बैंक एक सलाहकार नियुक्त करने की प्रक्रिया में है ताकि प्रायोगिक (पायलट) आधार पर ग्रीन फील्ड व्यवस्था में बैंकनोट संचालन की प्रक्रिया के स्वचालन और आधुनिक तकनीक के प्रयोग के लिए तकनीकी सहयोग लिया जा सके । इससे बैंकनोटों की प्राप्ति,भंडारण,प्रसंस्करण और नष्ट करने के स्वचालित होने; बड़े पैमाने से होने वाली किफायत (इकोनॉमी ऑफ स्केल) को बढ़ावा; मुद्रा प्रबंध कार्य में और दक्षता आने और रिज़र्व बैंक की स्वच्छ नोट नीति के उद्देश्य पूरे किए जाने की अपेक्षा है (बॉक्स VIII.1)।

बैंकनोटों के लिए माइक्रोसाइट

VIII.15 माइक्रोसाइट, जिसमें बैंकनोटों की विशेषताओं पर मूलभूत जानकारी तथा मुद्रा प्रबंध संबंधी जानकारी होस्ट की जाएगी, का विकास कार्य प्रगति पर है। यह माइक्रोसाइट जनता को एक मंच देगी, जिसपर सरल और प्रभावी नेवीगेशन के साथ बैंकनोटों से संबंधित जानकारी जैसे कि 360-डिग्री दृश्य द्वारा बैंकनोटों की डिज़ाइन व सुरक्षा विशेषताओं की सूचना, विभिन्न मल्टीमीडिया (वीडियो और एनीमेशन) और इंटरएक्टिव खेलों द्वारा प्राप्त की जा सकेगी।

अन्य प्रमुख गतिविधियां

भारतीय बैंकनोटों के लिए नई सुरक्षा विशेषताओं की खरीद

VIII.16 रिज़र्व बैंक बैंकनोटों की सुरक्षा विशेषताओं की खरीद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सक्रियता से लगा हुआ है।

बॉक्स VIII.1
बैंकनोट संचालन प्रक्रिया का स्वचालन

मुद्रा के निर्गम और प्रबंध को रिज़र्व बैंक की प्रस्तावना में स्थान दिया गया है। प्रणाली में पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ और सही नोट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रिज़र्व बैंक, रिज़र्व बैंक के साथ एक एजेंसी करार के तहत अनुसूचित बैंकों द्वारा परिचालित लगभग 3,054 करेंसी चेस्ट (सीसी) के जरिये अच्छी गुणवत्ता वाले असली नोटों के निर्गम और वितरण तथा कटे-फटे/ गंदे नोटों की रिट्रीवल का प्रबंधन करता है।

डिजिटल भुगतान में बढ़त के साथ-साथ संचलनगत बैंकनोट भी बढ़ रहे हैं। पिछले दशक में संचलनगत बैंकनोटों की मात्रा दोगुनी हो गई है, तथा नोटों की संख्या 2009-10 के 5,654.9 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में 11,597.7 करोड़ और 31 मार्च 2021 को 12,436.7 करोड़ हो गई। साथ ही, संचलनगत बैंकनोटों में वृद्धि से गंदे नोटों के प्रसंस्करण में संगत वृद्धि भी संभावित है।

इससे नकदी प्रबंधन की वर्तमान प्रक्रिया पर फिर से नज़र डालने की जरूरत पड़ी है और आधुनिक तकनीक अपनाकर बैंकनोट संचालन को स्वचालित करने की आवश्यकता महसूस हुई है, जो अग्रणी वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप है। वैश्विक स्तर पर कई केंद्रीय बैंकों/ मौद्रिक प्राधिकारियों ने अपनी मुद्रा प्रबंध प्रक्रियाओं के लिए सक्रिय रूप से उपयुक्त पुनः- यांत्रिकी अपनाई है और बैंकनोट संचालन के स्वचालन के लिए अलग इकाइयां बनाई हैं। तब से इन देशों ने बैंकनोटों के स्वचालित संचालन और प्रसंस्करण से होने वाले आर्थिक लाभ कमाए हैं, जिसके कारण परिचालन में दक्षता, प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा की सुनिश्चितता और सुरक्षा में बेहतरी आई है। ऐसे देशों में से कुछ हैं फ्रांस, जर्मनी, हंगरी, जापान, यूएसए आदि।

भारत में रिज़र्व बैंक ने बैंकनोट संचालन प्रक्रिया के स्वचालन की शुरुआत एक ग्रीन फील्ड इकाई में प्रायोगिक (पायलट) प्रोजेक्ट के तौर पर की है, जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

- सीसी से मिले बैंकनोटों की प्राप्ति, भंडारण, रिट्रीवल, प्रसंस्करण और गंदे नोटों का नष्टीकरण स्वचालित तरीके से करना;
- मुद्रा सत्यापन और प्रसंस्करण प्रणाली (सीवीपीएस) पर नोटों के स्वचालित प्रसंस्करण के दौरान कटे-फटे/ जाली/ दोषपूर्ण/ अपूर्ण नोटों की पहचान, गंदे बैंकनोटों की यांत्रिक और सुरक्षित रूप से ऑनलाइन और ऑफलाइन श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग तथा ब्रिकेट्स का आगे निपटान; और
- प्रिंटिंग प्रेस से प्राप्त नए बैंकनोटों की स्वचालित प्राप्ति और भंडारण, नए बैंकनोटों को रिट्रीव करना और चुनिंदा निर्गम कार्यालयों/ सीसी तक भेजना।

यह स्वचालन बड़े पैमाने से होने वाली किफायत लाएगा, मुद्रा प्रबंध कार्य को और दक्ष बनाएगा और रिज़र्व बैंक की स्वच्छ नोट नीति के उदेश्य को जनता के लाभ के लिए और बढ़ाएगा।

स्रोत: आरबीआई।

मुद्रा प्रबंध कार्यों का कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (ई-कुबेर) के साथ एकीकरण

VIII.17 *ई-कुबेर* में मुद्रा प्रबंध मॉड्यूल (सीवाईएम) के चरण I और II के कार्यान्वयन के साथ मुद्रा लेन-देन का लेखांकन रिज़र्व बैंक की बही में लगभग तत्काल प्रतिबिंबित हो रहा है। सीवाईएम के चरण III के कुछ सहायक प्रकार्य विकास/ कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

वार्निश किए हुए बैंकनोटों की शुरुआत – क्षेत्र परीक्षण

VIII.18 रिज़र्व बैंक क्षेत्र परीक्षण आधार पर ₹100 के मूल्यवर्ग में वार्निश किए हुए बैंकनोट शुरू करने की प्रक्रिया में है ताकि बैंकनोट की आयु बढ़ाई जा सके।

4. भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लि. (बीआरबीएनएमपीएल)

VIII.19 बीआरबीएनएमपीएल रिज़र्व बैंक की एक पूर्णतः स्वाधिकृत सहायक कंपनी है जो बैंकनोट उत्पादन प्रक्रियाओं के देशीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बीआरबीएनएमपीएल द्वारा अपने मैसूरू प्रेस परिसर में स्थापित इंक मैनुफैक्चरिंग यूनिट (आइएमयू) में दो-शिफ्ट के आधार पर 1,500 मीट्रिक टन (एमटी) ऑफसेट, इंटाग्लियो, नम्बरिंग और कलर शिफ्ट इंटाग्लियो इंक (सीएसआईआई) निर्मित करने की क्षमता है। जबकि ऑफसेट, इंटाग्लियो और नम्बरिंग इंक का उत्पादन अगस्त 2018 से शुरु हुआ और सीएसआईआई का मार्च 2019 से, वर्ष 2019-20 से ऑफसेट, इंटाग्लियो, नम्बरिंग और

सीएसआईआई की पूरी आवश्यकता बीआरबीएनएमपीएल की इन-हाउस उत्पादन इकाई से पूरी की जा रही है। बीआरबीएनएमपीएल भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) के दो करेंसी प्रिंटिंग प्रेसों को भी सीएसआईआई की आपूर्ति कर रहा है। 2020 के दौरान इन-हाउस वार्निश बनाने की इकाई की स्थापना के साथ कंपनी विभिन्न प्रकार की आवश्यक वार्निशों,जिसमें सीएसआईआई के लिए वार्निश भी शामिल है,के मामले में आत्मनिर्भर हो गई है। यह पूर्व-चरणों के एकीकरण और बैंकनोट उत्पादन प्रक्रिया के पूर्ण देशीकरण के इसके अंतिम उद्देश्य की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

5. 2021-22 के लिए कार्ययोजना

VIII.20 इस वर्ष के दौरान विभाग निम्नलिखित पर ध्यान देगा:

- नए श्रेडिंग और ब्रिकेटिंग सिस्टम (एसबीएस) की खरीद [उत्कर्ष];
- गंदे नोटों के निपटान में वृद्धि; और
- करेंसी नोटों की सुरक्षा विशेषताओं की सुदृढ़ता के जांच के लिए नवीनतम शोध करने के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था की स्थापना और नई सुरक्षा विशेषताएं आरंभ करना।

6. निष्कर्ष

VIII.21 सारांश में, वर्ष 2020-21 में रिज़र्व बैंक मुद्रा प्रबंध की आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण, भारतीय बैंकनोटों की विभिन्न विशेषताओं के बारे में लोगों की जागरुकता में वृद्धि करने तथा जनता को स्वच्छ करेंसी नोटों की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहा। आगामी समय में रिज़र्व बैंक का प्रयास बैंकनोटों की जीवन अवधि बढ़ाने, नोटों के संचालन और प्रसंस्करण के स्वचालन, और उपलब्ध आधारभूत संरचना को अधिकतम उपयोग के लिए युक्तिसंगत बनाने का रहेगा।